विस्मयादिबोधक अव्यय: विस्तृत कोर्स

हिन्दी व्याकरण विशेष सामग्री

1. परिभाषा (Definition)

जिन अव्यय शब्दों से आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा, आशीर्वाद, क्रोध, भय आदि के भाव प्रकट होते हैं, उन्हें **विस्मयादिबोधक अव्यय** कहते हैं।

विशेषता: इन शब्दों का वाक्य के अर्थ से सीधा संबंध नहीं होता, ये केवल वक्ता के मन के भावों को तीव्र रूप से प्रकट करते हैं। इनके बाद सदैव '!' चिह्न लगाया जाता है।

2. प्रमुख भेद एवं शब्द सूची

भेद का नाम	मुख्य शब्द	वाक्य प्रयोग
हर्षबोधक	अहा!, वाह!, धन्य!	अहा! कैसा सुहावना मौसम है।
शोकबोधक	हाय!, उफ़!, आह!	हाय! वह तो लुट गया।
आश्चर्यबोधक	क्या!, अरे!, हैं!	अरे! तुम यहाँ कब आए?
घृणाबोधक	छि:!, धिक्!, थू-थू!	छि:! कितनी गंदी जगह है।
संबोधनबोधक	हे!, अजी!, अरे!, ओ!	हे ईश्वर! सबकी रक्षा करना।
क्रोधबोधक	चुप!, हट!, धिक्!	चुप! एक शब्द भी मत बोलना।
	बाप रे!, हाय!, ओ माँ!	बाप रे! इतना बड़ा अजगर।

भेद का नाम	मुख्य शब्द	वाक्य प्रयोग
भयबोधक		

3. महत्वपूर्ण नियम

- ये शब्द हमेशा वाक्य के प्रारंभ में आते हैं।
- इन शब्दों पर लिंग, वचन या कारक का कोई प्रभाव नहीं पड़ता (अविकारी)।
- इनके उच्चारण के समय विशेष स्वर का प्रयोग होता है जो भाव स्पष्ट करता है।

4. अभ्यास कार्य (Practice)

सही विस्मयादिबोधक शब्द चुनकर लिखें:

1. _____! क्या शानदार छक्का मारा है। (हर्षबोधक)
2. _____! सावधान रहो, आगे खतरा है। (चेतावनी)
3. _____! बेचारे की टाँग टूट गई। (शोकबोधक)
4. _____! तुम अभी तक यहीं खड़े हो? (विस्मय)